

संपादकीय

सभी धर्मों का आदर हो

अ हमदबाद में गुजरात यूनिवर्सिटी हॉस्टल में धूसकर जिस तरह स्थानीय निवासियों की भीड़ ने नमाज पढ़ रहे विदेशी छात्रों पर हमला किया, वह घटना तो गंभीर है ही, उससे निपटने के तरीकों से जुड़ी शुरुआती सुचनाएं भी कुछ सवाल खड़े करती हैं।

बुनियादी तथ्य : यह देश की अंतरराष्ट्रीय छवि से जुड़ी संवेदनशील घटना है। सबसे पहले घटना से जुड़े यूनिवर्सिटी तथ्यों को समझने की ज़रूरत है। शुरुआती सुचनाओं के मुताबिक हमलावर भीड़ बाहर से आयी थी। जिन विदेशी छात्रों पर हमले हुआ, वे अपने कर्म से बाहर, लेकिन हाँस्टल परिसर के अंदर नमाज पढ़ रहे थे। भीड़ ने उन्हें रोकते हुए कहा कि नमाज पढ़ना है, तो मस्जिद में जायें। इसके बाद दोनों पक्षों में कहां-सुनी हुई और भीड़ ने कमरों में धूसकर तोड़फोड़ की।

तुंतुं गिरफतारी : अच्छी बात है कि पुलिस ने कार्रवाई में तेज़ी दियायी। दो व्यक्तियों की गिरफतारी हो चकी है और पुलिस का करना है कि वाकी आरोपियों को भी जल्दी ही गिरफतार कर लिया जायेगा। इस मामले के मद्देनजर न सिर्फ राज्य के गृह मंत्री ने पुलिस के आला अधिकारियों के साथ

वैटक की, बल्कि यूनिवर्सिटी प्रशासन ने भी अतिरिक्त सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले कदम उठाये।

घटना की पृष्ठभूमि : फिर भी कुछ बातें गैर करने की हैं।

गुजरात यूनिवर्सिटी में स्टूडी एवं प्रोग्राम (एसए) 2005 से ही चल रहा है,

लेकिन इस तरह की

यह पहली घटना है। जैसा कि यूनिवर्सिटी प्रशासन का भी कहना है कि ऐसी घटना गती-रात ही सकती। निश्चित रूप से इसकी पृष्ठभूमि पहले से तैयार हो रही होगी। अगे ऐसी घटना किए न हो, इसके लिए उन्हालत का भी विचार करना जरूरी है, जो इसके लिए उन्हालत का भी विचार करना जरूरी है।

अति संवेदनशीलता : देश के अंदर कुछ हिस्सों में खिले कुछ समय से धर्म को लेकर जिस तरह की असहिष्णुता और अति संवेदनशीलता दिख रही है, उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पहली नजर में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

सर्व धर्म, सम भाव : कानून व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों को तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के जरिये इस मामले में मिशाल के रूप में पेश करना ही चाहिए। राजनीतिक और धार्मिक संस्थाओं को भी अपने स्तर पर सक्रिय हस्तक्षेप के जरिये वह सुनिश्चित करने की ज़रूरत है कि समाज में सभी धर्मों का आदर करने की आवाका कमज़ोर न हो।

यह पहली घटना है। जैसा कि यूनिवर्सिटी प्रशासन का भी कहना है कि ऐसी घटना गती-रात ही सकती। निश्चित रूप से इसकी पृष्ठभूमि पहले से तैयार हो रही होगी। अगे ऐसी घटना किए न हो, इसके लिए उन्हालत का भी विचार करना जरूरी है, जो इसके लिए उन्हालत का भी विचार करना जरूरी है।

अति संवेदनशीलता : देश के अंदर कुछ हिस्सों में खिले कुछ समय से धर्म को लेकर जिस तरह की असहिष्णुता और अति संवेदनशीलता दिख रही है, उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पहली नजर में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

सर्व धर्म, सम भाव : कानून व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों

को तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के जरिये इस

मामले में मिशाल के रूप में पेश करना ही चाहिए।

राजनीतिक और धार्मिक संस्थाओं को भी अपने

स्तर पर सक्रिय हस्तक्षेप के जरिये वह सुनिश्चित करने की ज़रूरत है कि समाज में सभी धर्मों का आदर करने की ज़रूरत है।

आम घुनाव के साथ चार राज्यों, आंध्र प्रदेश, असामचल प्रदेश, और डिंडा गांधी ने जन्म दिन की खुशी ओल्ड एज होम में बुजुर्गों के साथ मनायी। देश

भर में ओवेन फिजिक्स (बांडीविलिंग) में दो बार नेशनल और कई बार रेशनल प्रतियोगिता में झारखंड का नाम रोशन करने

वाली खिलाड़ी प्रकार की बैटी श्रेष्ठ अधर्स्ती ने अपने जन्म दिन साक्षी

रिश्ता आशीर्वाद भवन के ओल्ड एज होम में बुजुर्गों के द्वारा सर्विस का नियंत्रण लिया।

मंगलवार के श्रेष्ठों ने अपने मातृ पितृ के साथ ऑल्ड एज होम में केक कटिंग कर हर्ष उल्लास के साथ जन्म दिन की खुशी मनायी। वही उन्होंने अपनी जन्मदिन पर सभी बुजुर्गों के द्वारा खेलने की असहिष्णुता और अति संवेदनशीलता दिख रही है, उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पहली नजर में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।

अमांत्र वाली खुशी में यह घटना उसी का एक उदाहरण लगती है।



सीआईएसएफ यनिट ने सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रव्यापी फायर यूनिट ट्रॉफी हासिल की



भूवनेश्वर (आजाद सिपाही)। एनटीपीसी बोंगाइंगांव की केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) इकाई को अखिल भारतीय आधार पर 114 इकाईयों में से प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ अग्निक्राई ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है। आरटीसी भिलाई में 55वें सीआईएसएफ स्थापना दिवस 2024 के दौरान सीआईएसएफ की महानिदेशक श्रीमती नीता सिंह द्वारा सहायक कमांडेंट फायर श्री एम. एस. कंदारी को यह सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान अग्निक्राई ट्रॉफी से सुरक्षा यात्रों को सुनियोजित करने में एनटीपीसी बोंगाइंगांव की सीआईएसएफ इकाई द्वारा प्रदर्शित समर्पण के लिए दरक्षता को स्वीकार करता है। उत्कृष्टता के प्रति यूनिट की अदृृत प्रतिबद्धता व्यावसायिकता और दरक्षता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने में इसके निरंतर प्रयासों को दर्शाती है। यह सम्मान न केवल यूनिट कर्मियों का सम्मान करता है बल्कि सरकारी व्यावसायिक ताकोचार और जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता को भी उजागर करता है। सीआईएसएफ एनटीपीसी बोंगाइंगांव इस उपलब्धि पर बहुत गर्व महसूस करती है और उत्कृष्टा और परिश्रम के साथ सेवा जारी रखने के अन्वे ढूँढ़ संकल्प की पृष्ठी करती है।

पूर्व तर रेलवे स्टेडियम में वार्षिक खेल प्रतियोगिता

हर्षोल्लास के साथ संपन्न, महाप्रबंधक रहे मौजूद

भूवनेश्वर (आजाद सिपाही)। राइट्स लिमिटेड, पूर्व तर क्षेत्रीय परियोजना कार्यालय भूवनेश्वर का वार्षिक खेल प्रतियोगिता 2023-24 दिनांक 17 मार्च 2024 को पूर्व तर रेलवे स्टेडियम में बड़े उत्साह और हृषिक्षण के साथ आयोजित हुई। इस अवसर पर, पूर्व तर रेलवे भूवनेश्वर के अंतर्मुखीय श्री महेश कुमार बेहरा और श्रीमती शर्मिला बेहरा को सुख्ख्य अंतिमिति के रूप में अग्निक्राई ट्रॉफी किया गया और श्री अविल प्रकाश, राइट्स क्षेत्रीय प्रमुख, श्री महेश कुमार शर्मा, परियोजना इकाई प्रमुख एवं सभी कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। विभिन्न खेलों जैसे क्रिकेट, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, विभिन्न दौड़, चॉकलेट दौड़, बोरी दौड़, गेंद फेंकना, कैरम, शतरंज, चम्मच और सिर्कन, म्यूजिकल घेरेर इकाई एवं अन्ये प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। अमर्चारियों यात्रा विभिन्न खेलों के लिए आयोजित हुई। उत्कृष्टता के प्रति यूनिट की अदृृत प्रतिबद्धता व्यावसायिकता और दरक्षता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने में इसके निरंतर प्रयासों को दर्शाती है। सीआईएसएफ एनटीपीसी बोंगाइंगांव इस उपलब्धि पर बहुत गर्व महसूस करती है और उत्कृष्टा और परिश्रम के साथ सेवा जारी रखने के अन्वे ढूँढ़ संकल्प की पृष्ठी करती है।

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में उभरते

भारत में सांख्यिकी की भूमिका पर संगोष्ठी

भूवनेश्वर(आजाद सिपाही)। ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग में उभरते भारत में सांख्यिकी की भूमिका। एक बहुविषयक दृष्टिकोण पर एक विवरणीय गणित संगोष्ठी आयोजित की गई है। 18 मार्च, 2024 को कोरापट में ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रथमांश और विद्वान इस मुद्दे पर वर्च करने के लिए एक साथ आए। विश्वविद्यालय के मानवीय कुलान्ति प्रे चक्रवर्ध कियाती है केंद्रीय विश्वविद्यालय के आयोजन के साथ वार्षिक खेल प्रतियोगिता समारोह का सम्पन्न हुआ जिसमें सभी कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों ने मनोरंजन और आनंद लिये।

दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित हवा वाली राजधानी, भारत तीसरे नंबर पर

आजाद सिपाही संचादाता

नवी दिल्ली। भारत 2023 में तीसरा सबसे प्रदूषित हवा वाला देश रहा। स्विस ऑर्गेनाइजेशन आईक्यू एयर की वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट 2023 के मुताबिक, बागलौदेश दुनिया में सबसे ज्यादा प्रदूषित हवा वाला देश रहा। 134 देशों के इस लिस्ट में पासवर दूसरे नंबर पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 1.33 अरब यार्डी 96% लोग ऐसी हवा में रहते हैं, जिसका डायमंटर (व्यास) 2.5 माइक्रोमीटर वा उससे कम होता है। यह बेहद छोटे कण होते हैं, जो हवा की गुणवत्ता को खारब करते हैं। प्रदूषित हवा से हर साल 70 लाख लोग जन गंभीर होते हैं। कुछ कण इनके छोटे होते हैं कि इन्हें केवल इलेक्ट्रोन माइक्रोस्कोप का इस्तेमाल करके पता लगाया जा सकता है। और डायबिटीज का खतरा भी बढ़ जाता है।



एक तरह का पार्टिकुलेट मैटर होता है, जिसका डायमंटर (व्यास) 2.5 माइक्रोमीटर वा उससे कम होता है। यह बेहद छोटे कण होते हैं, जो हवा की गुणवत्ता को खारब करते हैं। प्रदूषित हवा के बाद दूसरे देशों में एनुअल छट 2.5 का स्तर 35 माइक्रोमीटर वा उससे कम होता है। यह बेहद छोटे कण होते हैं, जो हवा की गुणवत्ता को खारब करते हैं। प्रदूषित हवा से हर साल 70 लाख लोग जन गंभीर होते हैं। कुछ कण इनके छोटे होते हैं कि इन्हें केवल इलेक्ट्रोन माइक्रोस्कोप का इस्तेमाल करके पता लगाया जा सकता है। और डायबिटीज का खतरा भी बढ़ जाता है।

जिंदल स्टेनलेस ने इलेक्ट्रिक बसों के निर्माण के लिए जेबीएम ऑटो के साथ साझेदारी की

आजाद सिपाही संचादाता

भूवनेश्वर। भारत में इको-मानविकी इकाई में अग्रणी भारत की सबसे बड़ी स्टेनलेस स्टील निर्माणकंपनी जिंदल स्टेनलेस ऊर्जा बचाने वाली हल्के वजन की 500 से अधिक स्टेनलेस स्टील इलेक्ट्रिक बसोंके निर्माण के लिए देश की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक बस नियमां जेबीएम ऑटो लिमिटेड के साथ साझेदारी कर रही है। जिंदल स्टेनलेस ऊर्जा बचाने वाली हल्के वजन की 500 से अधिक स्टेनलेस स्टील इलेक्ट्रिक बसोंके निर्माण के लिए देश की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक बस नियमां जेबीएम ऑटो लिमिटेड के साथ साझेदारी कर रही है। अंत में एक साझेदारीक कार्यक्रम के आयोजन के साथ वार्षिक खेल प्रतियोगिता समारोह का सम्पन्न हुआ जिसमें सभी कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों ने मनोरंजन और आनंद लिये।



बनकर खुशी हो रही है। हल्के वाहन ऊर्जा की खपत में सुधार करते हैं, जिससे परिवहन क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन कम होता है। इसके अतिरिक्त, स्टेनलेस स्टील की दिशा में प्रगति कर रही है। जिंदल स्टेनलेस के फिलहाल बसें बनाने के लिए उपयोग की जाने वाली कार्बन के फिलहाल बसें बनाने के लिए उपयोग की जाने वाली कार्बन ने इस परिवर्तन के आधार करता है। यह जग रोधी खुशी नियमित मरम्मत और रखरखाव की आवश्यकता को कम करती है। जिससे यह जीवन चक्र के आधार पर अत्यधिक लागत प्रबाधी साधन मानी जाती है। इसके भवित्व को आकर देने का हिस्सा अंतर्मुखीय और अधिक अंतर्मुखीय अंतरिक्षों को लिए अप्रतिक्रियात्मक बदलाव करता है। इसके अंतर्मुखीय अंतरिक्षों को लिए अप्रतिक्रियात्मक बदलाव करने के लिए एक विश्वविद्यालय के साथ वार्षिक खेल प्रतियोगिता समारोह का सम्पन्न हुआ जिसमें सभी कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों ने मनोरंजन और आनंद लिये।

एनटीपीसी तालचेर थर्मल पावर प्रोजेक्ट में मॉक ड्रिल

आजाद सिपाही संचादाता

भूवनेश्वर। प्रभावी आपदा प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए, 18 मार्च, 2024 को एनटीपीसी तालचेर थर्मल पावर प्रोजेक्ट में एक मॉक ड्रिल का आयोजित की गई थी। ड्रिल का मुकाबला, बचाव और सहायक टीमों के बीच सावधानीपूर्वक सम्बन्ध किया गया था। इसके अंतर्मुखीय अंतरिक्षों को लिए स्पेल्टर, एंड सीपीयों एवं संस्कृत दौड़ों की विभिन्न खेलों के लिए आयोजित हुई हैं। एनटीपीसी तालचेर थर्मल पावर प्रोजेक्ट के लिए एक विश्वविद्यालय के साथ वार्षिक खेल प्रतियोगिता समारोह का सम्पन्न हुआ जिसमें सभी कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों ने मनोरंजन और आनंद लिये।



निदेशक (कारखाने और बॉयलर) अंगुल डिवीजन और सहायक निदेशक (कारखाने और बॉयलर), स्पेशल चंद्र बेहरा और बॉयलर अंगुल डिवीजन ने ड्रिल को प्रबाधी ढंग से संपन्न करने के लिए एनटीपीसी तालचेर थर्मल पावर प्रोजेक्ट के लिए समर्पित हैं। ड्रिल को प्रबाधी ढंग से संपन्न करने के लिए एनटीपीसी तालचेर थर्मल पावर प्रोजेक्ट के सहायता करने वाली दो नियमां की जांच की जा रही है। इसके अंतर्मुखीय अंतरिक्षों के लिए एक विश्वविद्यालय के साथ वार्षिक खेल प्रतियोगिता का सम्पन्न हुआ जिसमें सभी कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों ने मनोरंजन और आनंद लिये।

पुलिस अधिकारियों के साथ अंतरराज्यीय सम्बन्ध बैठक

आजाद सिपाही संचादाता

भूवनेश्वर। ओडिशा में यह और जून में चार चरणों में आप चुनाव 2024 होने जा रहा है। इसी सिलसिले में सम्पादक को भूवनेश्वर स्थित डीजीपी कैंप कार्यालय में विविधों की विभिन्न विभागों के लिए एक विश्वविद्यालय के साथ वार्षिक खेल प्रतियोगिता की जांच, सेवानीवाल स्थानों पर वार्षिक राज्य के आधार और अंतर्राज्यीय सम्बन्धों के लिए एक विश्वविद्यालय के साथ वार्षिक खेल प्रतियो